आकाशवाणी केन्द्र शिमला

02.09.2024 / प्रादेशिक समाचार / 1800बजे

प्रश्नकाल

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सुधार लाने के लिए राज्य सरकार अगले 6 महीने में और कड़े फैसले लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले बजट में प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सुधार होता नजर आएगा। शिमला में चल रहे प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र में आज प्रश्नकाल के दौरान विधायक केवल सिंह पठानिया के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने ये बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार ने अभी एक सौ 25 यूनिट फ्री बिजली को वापस नहीं लिया है। मुख्यमंत्री ने पूर्व की भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने पिछले पांच सालों में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तहस–नहस किया। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि अब राज्य सरकार अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कड़े फैसले ले रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के पहले दिन से ही प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जिन लोगों को सब्सिडी पर बिजली की जरूरत नहीं है उन्हें भी सब्सिडी दी गई है। उन्होंने कहा कि पूर्व की जयराम सरकार ने 14 विभिन्न तरह की सब्सिडी दी है। एक भवन में अगर आठ मीटर हैं तो सभी आठ मीटर पर सब्सिडी की व्यवस्था की गई।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पहली सितंबर से उद्यमियों या फाइव स्टार होटल मालिकों को प्रति यूनिट एक रुपए सब्सिडी को विद–ड्रॉ कर लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने यह फैसला बिजली बोर्ड को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार सही ढंग से काम करेगी और 2027 तक प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर इसमें सुधार नहीं किया गया तो सरकार को सब्सिडी के तौर पर बिजली बोर्ड को 2 हज़ार 2 सौ करोड़ रुपए देने पड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह चाहते हैं कि विपक्षी दल भाजपा प्रदेश की अर्थव्यवस्था को सुधारने में अपना सहयोग दे, लेकिन विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। विधायक विवेक शर्मा के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि खैर का कटान

उसकी मोटाई के हिसाब से होता है। उन्होंने कहा कि खैर को जड़ से न काटा जाए, इस पर विचार किया जाएगा।

वॉकआउट

प्रदेश विधानसभा में सरकार और विपक्ष के बीच मॉनसून सत्र के दौरान चल रहा गतिरोध आज भी जारी रहा। विपक्षी दल भाजपा ने सदन में भारी हंगामा किया और बाद में पूरा विपक्ष सदन से वाकआउट कर गया। सदन की बैठक आरंभ होते ही भाजपा के विपिन सिंह परमार ने विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से प्वाइंट आफ आर्डर के माध्यम से अपना मुद्दा उठाने की अनुमति मांगी, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें यह अनुमति नहीं दी। विधानसभा अध्यक्ष ने व्यवस्था दी कि विपक्ष प्रश्नकाल के बाद ये मुद्दा उठा सकता है। विधानसभा अध्यक्ष की इस व्यवस्था से विपिन सिंह परमार संतुष्ट नहीं हुए और अनुमति न मिलने पर पूरा विपक्ष अपनी सीटों पर खड़ा हो गया और शोरगुल करने लगा। बाद में पूरा विपक्ष सदन से नारेबाजी करते हुए बाहर चला गया।

इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विपक्ष के हंगामे और वाकआउट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वास्तव में विपक्ष में आपसी लड़ाई बहुत बढ़ गई है। इसलिए उसके सभी नेता तनाव में है और वह सदन का समय बर्बाद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्र से पहले ही यह तय हो गया था कि सरकार विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले हर मुद्दे का जवाब देगी।

उन्होंने कहा कि सत्र में सबसे अधिक सवाल भी विपक्ष के सदस्यों के लगे हैं। इसके बावजूद विपक्ष सिर्फ हंगामा करने में व्यस्त है। संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने विपक्षी दल भाजपा द्वारा सदन में किए गए हंगामे और वाकआउट को दिवालियापन करार देते हुए कहा कि विपक्ष को जनता की फिक्र नहीं है। हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि भाजपा ने आज अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया, लेकिन उस पर प्वाइंट ऑफ आर्डर के माध्यम से भी चर्चा नहीं की। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि भाजपा का वाकआउट राजनीतिक ड्रामा है और सदन इसकी निंदा करता है। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने विपक्ष के हंगामे और वाकआउट पर कहा कि सदन के भीतर कार्यवाही नियमों के तहत ही चलेगी। उन्होंने

कहा कि जो नियमों में नहीं है, वह नहीं होगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि उनका प्रयास था कि प्रदेशहित के मुद्दे चर्चा में लाए जाए। इसलिए विपक्ष द्वारा लाए गए मुद्दों को उन्होंने चर्चा में लाने की अनुमति दी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज सुबह नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, विपिन सिंह परमार, सुखराम चौधरी, सतपा सत्ती और अन्यों की ओर से स्थगन प्रस्ताव की सूचना नियम 67 के तहत प्राप्त हुई थी, जो कर्मचारियों के वेतन–भत्ते और पेंशन न मिलने तथा आर्थिक दिवालिएपन से संबंधित है।

बधाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पेरिस पैरालंपिक में पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर निषाद कुमार को बधाई दी है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में राष्ट्रपति ने पैरालंपिक में लगातार रजत पदक जीतने के लिए उनकी सराहना की। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी निषाद कुमार को ऊंची कूद में रजत पदक जीतने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल के लोगों के लिए यह गर्व की बात है कि प्रदेश के युवा ने इस खेल में अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए देश के लिए पदक जीता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि निषाद कुमार की यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने निषाद कुमार की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है। अग्निहोत्री ने कहा है कि निषाद कुमार ने ऊंची कूद स्पर्धा में रजत पदक जीत कर देश व प्रदेश को गौरवान्वित किया है। निषाद कुमार ऊना ज़िले की अंब तहसील के बदाऊं गांव के रहने वाले हैं।

हड़ताल

आई.जी.एम.सी. शिमला में रोगी कल्याण समिति आर.के.एस. के 55 कर्मचारी आज से पूरे दिन की हड़ताल पर चले गए हैं। नियमित पे–स्केल की मांग पूरी न होने के कारण इन कर्मचारियों में रोष है। आर.के.एस. कर्मचारियों की हड़ताल के चलते आज आई.जी.एम.सी में सैंकड़ों मरीज़ों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष अरविंद पाल ने बताया कि जब तक सरकार द्वारा उनकी नियमित पे–स्केल की मांग को पूरा नहीं किया जाता, तब तक उनकी हड़ताल जारी रहेगी।

मौसम

प्रदेश में मानसून की सक्रियता से कई स्थानों पर रूक–रूक कर वर्षा का क्रम जारी है। वर्षा से तापमान में हल्की गिरावट भी दर्ज गई है। राजधानी शिमला सहित इसके आस–पास के क्षेत्रों में दोपहर बाद से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज और कल प्रदेश के कई स्थानों पर भारी वर्षा का यलो अलर्ट भी जारी किया है।

————————————————